an>

Title: Regarding CSAT in the Civil Services examination conducted by UPSC.

श्रीमती रंजीत रंजन (सुपौल) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से यूपीएससी में सीसैट का विषय उठाना चाहती हूं। 2011 में सीसैट में आया था, जिसके कारण ग्रामीण पृष्ठभूमि के अन्य भाषाओं के छात्रों के साथ बहुत अन्याय हुआ था निगपेकर कमेटी की रिपोर्ट 2012 में आई थी और ग्रामीण पृष्ठभूमि तथा कला वर्ग आदि अभ्यार्थियों के प्रतिकूल बताते हुए इसमें बदलाव की सिफारिश की थी। यूपीएससी ने 2012 से लेकर 2015 तक सीसैट प्रश्नों को कन्टीन्यु किया था जिसके कारण 2015 में फिर छात्रों ने आंदोलन किया था। मैं सरकार का धन्यवाद करती हूं कि 2015 में सीसैट का अमेंडमेंट का प्रावधान किया।

मेरी अपील है कि 2011 से 2015 तक जिन बच्चों को चार साल वेस्ट हुए, उनको 2016-18 तक तीन अतिरिक्त अवसर मिलने चाहिए क्योंकि उनका गुजरा हुआ वक्त वापिस नहीं आ सकती है। 2016-18 तक तीन अतिरिक्त चांस मिल जाएंगे तो उनका सपना पूरा हो सकेगा।

माननीय अध्यक्ष: श्री नाना पटोले को श्रीमती रंजीत रंजन द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।